अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल ने शुरू किया कॉम्प्रिहेंसिव लीवर डिजीज क्लिनिक

लखनऊ। अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ ने लीवर ट्रांसप्लांट और हेपेटो-पैंक्रिएटो-बिलियरी (एचपीबी) सर्जरी के लिए कॉम्प्रिहेंसिव लीवर डिजीज क्लिनिक की शुरूआत की है। यह क्लिनिक गंभीर लीवर रोग और जटिल सर्जिकल निर्णयों में मरीजों और उनके परिवारों को भरोसेमंद मार्गदर्शन प्रदान करेगा। इस क्लिनिक की टीम में शामिल है। । डॉ. मयंक सोमानी, एमडी एवं सीईओ, ने कहा कि अपोलोमेडिक्स यूपी के प्राइवेट सेक्टर में लीवर ट्रांसप्लांट शुरू करने वाला पहला केंद्र है, जहां 95% से अधिक सफलता दर के साथ 24 घंटे विशेषज्ञ टीम मौजूद है। डॉ. अभिषेक यादव, सीनियर डायरेक्टर व एचओडी- लीवर ट्रांसप्लांट ने बताया कि भारत में हर साल 2.5 से 3 लाख लोग लीवर रोग और सिरोसिस से जान गंवाते हैं, जबकि केवल 2500 से 3000 ट्रांसप्लांट ही हो पाते हैं। यूपी की बड़ी आबादी होने के बावजूद यहां सालाना सिर्फ 200 से 250 ट्रांसप्लांट होते हैं और मरीजों को अन्य राज्यों का रुख करना पड़ता है। डॉ. अभिषेक यादव ने अब तक 2000 से अधिक सफल लीवर ट्रांसप्लांट और 4000 से अधिक एचपीबी एवं जीआई सर्जरी की हैं। यह क्लिनिक न केवल यूपी बल्कि बिहार, झारखंड और नेपाल के मरीजों के लिए भी एक भरोसेमंद संसाधन साबित होगा और उन्हें सुरक्षित, सटीक एवं किफायती उपचार विकल्प उपलब्ध कराएगा। इस प्रेसवार्ता में एचपीबी सर्जरी; डॉ. राजीव रंजन सिंह, डायरेक्टर गैस्ट्रोएंटरोलॉजी; डॉ. जयेन्द्र शुक्ला, कंसल्टेंट गैस्ट्रोएंटरोलॉजी; और डॉ. उत्कर्ष श्रीवास्तव, कंसल्टेंट लीवर ट्रांसप्लांट व गैस्ट्रो सर्जन ने भी अपने विचार रखें।